THE DEPUTY CHAIRMAN : No, I have no time today. I am not allowing association.

SHRI ASHIS SEN: I want to speak because a little more is needed. The Award was published on 30th of April and on 4th of May. I had written to the Finance Minister to see that it is implemented as quickly as possible. It has not been gazetted yet. The Government's decision was that the Award will be final and binding. So, there is no question of the Government going back on the point and that it should be implemented as quickly as possible. The Labour Minister should also take in to account that it has not been gazetted as yet. What is the intention of the Government behind this? We would like to know that and see that it is not delayed too much. I associate with the views expressed by Comrade Balaram.

Alleged Misappropriation by the Officials of the rural electrification corporation

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिमी बंगाल) : आदरणीय उपसभापति महोदया, धन्यवाद कि मुझे आपने मौका दिया स्पेशल मेंशन करने का ।

उपसभाध्यक्ष (प्रो० चन्द्रेश पी० ठाकुर) पीठासीन हुए ।

उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं रूरल इलेक्ट्रीफिकेशन कारपोरेशन में जो धांधली चल रही है इस बारे में सरकार की नजर खींचना चाहता हूं । हमारे यहां देश में अभी भी हजारों लाखों ऐसे गांव हैं जहां अंधेरे में रात गुजारनी पड़ती है लेकिन रूरल इलेक्ट्रीफिकेशन कारपोरेशन के जो सरकारी अफसर हैं ये आला पैमाने पर हजारों लाखों करोड़ों रुपये की धांधली चला रहे हैं मैं दो चार मिसालें आपके सामने देना चाहता हूं जो अखबारों में भी आ चुकी हैं एक तो इनका दफ्तर जो अभी डी० डी०ए० बिल्डिंग में है यहां हर महीने डढ़ लाख ,रुपया भाड़ा दिया जाता है। फिर लाखों रुपया खर्च करके इन्होंने सी० जी०ओ० काम्पलेक्स, लोदी रोड में वहां की स्कोप बिल्डिंग में दफ्तर लिया है । साढ़ चार करोड़ रुपये अभी तक खर्च हो चुके हैं लेकिन दफ्तर अभी तक बदला नहीं है । रूरल इलेक्ट्रीफिकेशन कारपोरेशन के जो सी०एम०डी० हैं उसका यह कहना है कि गृह जो यानी एस्ट्रालाजी अभी सही नहीं है, इसलिए वे दफ्तर बदल नहीं रहे हैं की इसी तरह से ये जब रेल से आये रूरल इलेक्ट्रीफिकेशन कारपोरेशन में तो इनका अपना एकोमोडेशन एशियाड विलेज में है लेकिन ये रेलवे का बंगला छोड़ते नहीं हैं चूंकि गृह प्रवेश ठीक से नहीं हुआ, काफी ज्यादा सुपरस्टीशंस में विश्वास रखते हैं इसलिए पुराना भी नहीं छोड़ रहे हैं और नये में भी नहीं जा रहे हैं । इसकी वजह से आर०ई०सी० को अस्सी हजार रुपया महीने रेलवे को देना पड़ रहा है, लेकिन वह नहीं जा सकते गृह की वजह से नहीं जा सकते है लेकिन उनका जो फर्निचर है, पुराना सामान है अन्य आर्टिकल हैं, वह वहां रखे हुए हैं ।

इसी तरह से गेस्ट हाऊस भी भाड़ा देकर यह चला रहे हैं, जिसके लिए पंद्रह हजार रुपया महीना देना पड़ रहा है, जबकि जो इनका अपना खरीदा हुआ गेस्ट हाऊस हैं, उसको वह इस्तेमाल नहीं करते, वहां उनका सामान पड़ा है । वहां वह अपने पिट्ठू लोगों को बसाये हुए रखते हैं । इस तरह की धांधली की जा रही है ।

इसी तरह ओवरटैंक के बारे में भी हजारों-लाखों रुपये ओवरटैंक के नाम पर जो आला अफ़सर हैं हमारे, वह बंटवारा कर रहे हैं, हमारे गांव के लोगों को अंधेरे में रख कर।

काम के वक्त यह फ़ाल्स सर्टिफ़िकेट देकर यहां तक जो प्रोजेक्ट बना नहीं, लेकिन प्रोजेक्ट कंप्लीशन के नाम पर एस०ई०बी० को रुपये का पेमेंट कर दिया जा रहा है, क्योंकि सरकार के पास रिपोर्ट

[श्री मोहम्मद सलीम]

दाखिल करना पड़ेगा कि काफ़ी अच्छा काम हो रहा है। एस०ई०बी० भी इस से नाराज नहीं क्योंकि उन्हें काम न होने के बावजूद भी पैसा मिल रहा है। कागज में इस तरह से प्रोजेक्ट करके पैसा रेज़ कर दिया जा रहा है।

इसी तरह से यह काम जब कर रहे हैं, तो कुछ सियासी जो लोग हैं, उनके साथ भी इनका अच्छा रवैया है।

मैं आपकी नजर खींचना चाहता हूं कि पिछली सरकार में बूटा सिंह जी जब होम मिनिस्टर थे और कल्पनाथ राय जी जब पावर के स्टेट मिनिस्टर थे, तो इन्होंने खुराना साहब, चीफ़ मेनेजिंग डायरेक्टर आफ़ आर०ई०सी० उन की जो कंस्टीट्युएंसी है, वहां लाखों रुपया भेज दिया था, चुनाव से ठीक पहले-पहले ताकि इलैक्ट्रिफ़िकेशन के बजाय इलैक्शनियरिंग ठीक से हो और इस तरह से अपना मकसद पूरा होता जाए। ठीक चुनाव से पहले-पहले लाखों रुपये इन दोनों की कंस्टीट्युएंसीज में खास करके भेजा गया था।

खास करके कल्पनाथ राय जी की कंस्टीट्युएंसी में आधा करोड़ रुपये खर्च करके जो ट्रांसफ़ार्मर बिठाया गया, उसका अब तक कोई हिसाब नहीं है।

इसलिए मैं आपकी नजर इस ओर खींचना चाहता हूं कि ऐसे कई डील्ज हैं। अभी भी एक डील होने जा रहा है। बूटा सिंह जी के लड़के के साथ गलत तरीके से होने जा रहा है।

श्रीमती सूर्यकान्ता पाटील (महाराष्ट्र) : आप नाम मत लीजिए।

श्री मोहम्मद सलीम : मैं सरकार से मांग करता हूं कि इनवेस्टिगेशन की जाए और अगर यह अफ़सर जो हैं, जो रिपोर्ट, जैसे अखबार में आई हुई है, अगर यह गलती कर रहे हैं, तो एक तरफ़ तो जो रुपये की बिलकुल लूट हो रही है, इसको बंद किया जाए, इनवेस्टिगेशन किया जाए और अगर पाया जाए कि यह गलती कर रहे हैं या अगर इनवेस्टिगेशन की खास जरूरत हो, तो इनका तबादला किया जाए।

धन्यवाद।

Statement of some officers of Jammu and Kashmir Administration regarding firing on funeral procession of Maulvi Md. Farooq

SHRI SHABBIR AHMAD SALARIA (Jammu and Kashmir) : Mr. Vice-Chairman I am obliged to you for giving me this opportunity to make a special mention on the statement made by 137 officers, Secretaries, Professors and Doctors of Jammu and Kashmir with regard to the firing on the mourning procession of Maulana Farooq on the 21st May, 1990. The statement made by the Minister of State in the House is contradictory to the statement of the said high level officers of the Government of Jammu and Kashmir. They stated that the firing was unprovoked. They have stated that the firing was resorted to indiscriminately on innocent citizens and mourners who were going with the coffin and many, many people died and the number given by the Minister of State as 27 is clearly incorrect. The number of persons who actually died is more than 100 and the number of persons who sustained injuries of a grievous nature is 302. In fact, more than that number is affected by the said firing which will come to light in due course of time. The firing was not the only incident according to the said statement of the high level officers. They have enumerated a number of places where smaller firing indiscriminately was resorted to. They have pointed out

1 P.M. that every person living in Jammu and Kashmir was treated as hostile and